न्यूज डायरी

इमरान खान के खिलाफ अवमानना याचिका पर फैसला सुरक्षित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ दायर एक अवमानना की याचिका पर इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने मंगलवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इमरान ने हाल ही में कथित तौर पर न्यायपालिका के बारे में अवमानना जनक बयान दिया था। डॉन न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ऐडवोकेट सलीमुल्लाह खान द्वारा सोमवार को दायर याचिका में कहा गया है कि खान ने गंभीर अवमानना की है और न्यायपालिका का मजाक उड़ाया है। एबटाबाद के हवेलियन में एक उद्घाटन समारोह में खान ने कहा था कि देश की न्यायिक प्रणाली में शक्तिशाली और आम लोगों के साथ व्यवहार में असमानता है। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश आसिफ सईद खोसा से न्यायपालिका में जनता का विश्वास बहाल करने को कहा था। खान का बयान लाहौर हाईकोर्ट द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को चिकित्सा उपचार के लिए चार सप्ताह की विदेश यात्रा की अनुमति देने के बाद आया था।

आतंक रोधी अभियान में जुटे दो हेलिकॉप्टर में टक्कर, फ्रांस के 13 सैनिकों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पैरिस। माली में इस्लामी चरमपंथियों के खिलाफ अभियान चलाने के क्रम में दो हेलिकॉप्टरों के बीच हुई टक्कर में 13 फ्रांसीसी सैनिकों की मौत हो गई। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार को जानकारी देते हुए घटना पर गहरा शोक प्रकट किया। वहीं, उन्होंने लिखित बयान में फ्रांस की सेना के लिए अपना समर्थन जाहिर किया और साहेल क्षेत्र में लगातार बने हुए भय के माहौल का मुकाबला कर रहे फ्रांस के सैनिकों के साहस पर जोर दिया। बयान में दुर्घटना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई। फ्रांस के रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ली ने कहा कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई, यह पता लगाने के लिए जांच शुरू की गई है। पश्चिम और मध्य एशिया में चलाए जा रहे अभियान में 4,500 कर्मी शामिल हैं और यह विदेश में चलाया जा रहा फ्रांस का सबसे बड़ा सैन्य मिशन है।

महिला उत्पीड़न के खिलाफ दुनियाभर में हजारों लोगों ने रैली निकाली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पैरिस। महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन अंतरराष्ट्रीय दिवस के मौके पर दुनियाभर में लाखों लोगों ने रैली निकाली। इस मौके पर फ्रांस ने घरेलू हिंसा से निपटने के लिए नए कदमों की घोषणा की। ग्वाटेमाला, रूस, सूडान और तुर्की जैसे देशों में भी सोमवार को प्रदर्शनकारी एकत्र हुए। तुर्की के इस्तांबुल में दंगा निरोधी पुलिस ने करीब दो हजार प्रदर्शनकारियों का रास्ता रोका और उसके बाद उन पर आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शनकारियों को तितर बितर करने के लिए पुलिस ने प्लास्टिक की गोलियां भी चलाई। फ्रांस की सरकार ने घोषणा की कि वह चिकित्सकों के लिए हिंसा के लिहाज से संवेदनशील महिलाओं के बारे में जानकारी साझा करने को सुगम बनाएगी और मनोवैज्ञानिक धोखाधड़ी की अवधारणा को कानून में शामिल करेगी। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक वर्ष 2017 में दुनियाभर में अनुमानित 87 हजार महिलाओं और लड़कियों की हत्या हुई।

शिकागो में भारतीय अमेरिकी छात्रा की यौन उत्पीड़न के बाद गला दबाकर हत्या

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। शिकागो में भारतीय अमेरिकी 19 वर्षीय छात्रा की यौन उत्पीड़न के बाद गला दबाकर हत्या कर दी गई। हत्या की इस बर्बर घटना के बाद से भारतीय समुदाय सकते में है। पुलिस ने बताया कि रूथ जॉर्ज मूल रूप से हैदराबाद की रहने वाली थी और यहां इलिनॉयस विवि में पढ़ाई कर रही थी। शनिवार को युवती के परिवार के ही एक वाहन की पीछे वाली सीट पर उसका शव बरामद हुआ। हमलावर डॉनल्ड थर्मन (26) को रविवार को शिकागो मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। वह विश्वविद्यालय से जुड़ा हुआ नहीं है। सोमवार को उस पर औपचारिक रूप से आरोप तय किए गए। चिकित्सीय जांच में पता चला है कि रूथ की मौत गला दबाने से हुई है। विवि ने बताया कि रूथ के परिवार ने विश्वविद्यालय पुलिस को शनिवार को बताया था कि उनकी रूथ से शुक्रवार से बातचीत नहीं हो पाई है।

बाजवा के सेवा विस्तार पर सुको की रोक इमरान ने बुलाई कैबिनेट की आपात बैठक

लताड़

■इमरान ने पहली बैठक में कानून मंत्री फरोग नसीम को औपचारिकता पूरी न करने पर लताड़ लगाई है

बैठक में सेना चीफ के सेवा विस्तार की कैबिनेट से दोबारा मंजूरी लेने की कोशिश करेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सैन्य प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के सेवा विस्तार से जुड़ी अधिसूचना पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद पीएम इमरान खान ने मंगलवार को कैबिनेट की आपात बैठक बुलाई। मंगलवार को दूसरी बार बुलाई गई मीटिंग में बाजवा के सेवा विस्तार को लेकर कैबिनेट की मंजूरी ली जाएगी। उधर, खबर है कि कैबिनेट की पहली बैठक में इमरान ने कानून मंत्री को जमकर लताड़ लगाई। उल्लेखनीय है कि बाजवा 29 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं।

कानून मंत्री पर बरसे इमरानउधर, बाजवा पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कानून मंत्री को इमरान की नाराजगी झेलनी पड़ी है। मंगलवार को कैबिनेट की पहली बैठक में इमरान अपने कानून मंत्री पर जमकर बरसे। जियो न्यूज के मुताबिक, इमरान इस बात से नाराज थे कि आखिर इस मामले में कानून मंत्रालय कर क्या रहा था, उसने पहले से सभी औपचारिकताएं पूरी क्यों नहीं कीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कैबिनेट की बैठक का जो अजेंडा था, उस पर बात होने के बजाए बाजवा के सेवा विस्तार को सर्वोच्च अदालत द्वारा रोके जाने का मुद्दा छा गया।

बाजवा के कार्यकाल विस्तार की अधिसूचना पर सुप्रीम कोर्ट की रोक सूत्रों ने कहा कि बाजवा के सेवा विस्तार की अधिसूचना को रोके जाने पर प्रधानमंत्री खान बेहद गुस्से में दिखे और वह कानून मंत्री फरोग नसीम पर बरस पड़े।

सूत्रों ने कहा कि इमरान ने कहा कि जब सेवा विस्तार का मामला तय हो चुका था तो फिर तमाम औपचारिकताएं पूरी क्यों नहीं की गईं, कानून मंत्रालय ने कोताही क्यों बरती और तमाम कानूनी पहलुओं पर काम क्यों नहीं किया गया। सूत्रों ने बताया कि इमरान के बरसने पर कैबिनेट की बैठक में सन्नाटा छा गया। नतीजा यह रहा कि बैठक के मूल अजेंडे को कुछ देर तक विचार के लिए नहीं उठाया गया।

अटॉर्नी जनरल ने कोर्ट को बताया, पीएम ने कैबिनेट की मंजूरी के बाद समरी पर हस्तक्षर किया था। इस पर कोर्ट ने पूछा, श क्या पीएम और कैबिनेट की मंजूरी के बाद राष्ट्रपति ने फिर मंजूरी दी थी। शुरुआती मंजूरी राष्ट्रपति की तरफ से आती है। कैबिनेट मीटिंग से पहले राष्ट्रपति की मंजूरी कानून के मुताबिक नहीं है।श जब अटॉर्नी ने कहा कि हम राष्ट्रपति की मंजूरी लेने की कोशिश करेंगे तो कोर्ट ने कहा, श्कैबिनेट के सिर्फ 11 सदस्यों ने मंजूरी दी थी, हम यह नहीं कह सकते कि इसको बहुमत की मंजूरी थी।

इमरान को नहीं मंजूरी का अधिकारः सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान अधिसूचना पर रोक लगाते हुए चीफ जस्टिस खोसा ने इमरान सरकार की जमकर खिंचाई की। चीफ जस्टिस ने खोसा ने कहा, श्पीएम को आर्मी चीफ के सेवा विस्तार की मंजूरी देने का अधिकार नहीं है। आर्मी चीफ के सेवा विस्तार की मंजूरी राष्ट्रपति देते हैं। अगर राष्ट्रपति ने 19 अगस्त की समरी को मंजूरी दे दी थी, तब पीएम ने फिर 21 अगस्त को समरी को मंजूरी क्यों दी?

अल्बानिया में भूकंपः आठ लोगों की मौत, 300 से अधिक घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तिराना। अल्बानिया में मंगलवार तड़के आये भीषण भूकंप के कारण कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 300 से अधिक लोग घायल हो गये। बचावकर्मी भूकंप के कारण ढही इमारतों के बीच फंसे लोगों को बचाने के प्रयास कर रहे हैं। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के अनुसार 6.4 तीव्रता के साथ आये भूकंप का केन्द्र राजधानी तिराना से 30 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में था। इसके बाद 5.1 और 5.4 की तीव्रता वाले कई झटके महसूस किए गए।

यूनान और कोसोवो ने अल्बानिया में बचावकर्ताओं की मदद का वादा किया है। अल्बानिया के प्रधानमंत्री एदी रमा ने मदद की पेशकश करने वाले देशों को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि यूरोपीय संघ, पड़ोसी देशों और अमेरिका ने मदद की पेशकश की है। भूकंप के कारण कम से कम तीन इमारतें गिर गईं।

बचावकर्मी फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि मलबे में कितने लोग दबे हो सकते हैं। अल्बानिया के राष्ट्रपति इलिर मेटा ने कहा कि थुमाने में स्थिति काफी गंभीर है। लोगों को बचाने की पूरी कोशिश की जा रही है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि तिराना से 33 किलोमीटर दूर दुर्रेस में ढही इमारत से तीन शव बाहर निकाले गए।

चीन ने हॉन्ग कॉन्ग के मुद्दे पर अमेरिकी राजदूत को तलब किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हॉन्ग कॉन्ग। चीन ने अमेरिकी राजदूत टेरी ब्रेनस्टेड को एक बार फिर तलब किया है ताकि वह ट्रंप प्रशासन से हॉन्ग कॉन्ग में लोकतंत्र पक्षधरों का समर्थन करने संबंधी कांग्रेस के दोनों चौंबरों द्वारा पारित विधेयक को निरस्त करने की मांग कर सके। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उपमंत्री झेंग जेगुआंग ने हॉन्ग कॉन्ग मानवाधिकार एवं लोकतंत्र विधेयक के प्रति चीन की कड़ी आपत्ति को सोमवार को जताई और चेताया कि अमेरिका को सभी तरह के परिणामों को भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

मुंबई हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिएः अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। मुंबई में करीब एक दशक पहले हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों को याद करते हुए अमेरिका ने कहा है कि इस जघन्य अपराध के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। यह भारत के इतिहास में सर्वाधिक भयावह आतंकवादी हमलों में से एक था। इस हमले में 166 लोगों की मौत हो गई थी और 300 से अधिक लोग घायल हो गए थे। 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से समुद्री रास्ते से आए दस आतंकवादियों ने मुंबई में इस आतंकवादी हमले को अंजाम दिया था। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मोर्गन ओर्टागस ने हमले की 11वीं बरसी पर ट्वीट किया, 11 साल पहले आतंकवाद की कायर कार्रवाई में छह अमेरिकी नागरिकों समेत 166 लोगों की जान चली गई थी।

ओर्टागस ने कहा, श्आज हम मुंबई आतंकवादी हमले के पीड़ितों को याद करते हैं। हम इस जघन्य अपराध के जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने के उनके परिजन की मांग के साथ हैं। वहीं, पाकिस्तानी मूल के कनाडाई तारिक फतेह ने ट्वीट किया, श्साल 2008 में आज ही के दिन लश्कर–ए–तैयबा के 10 पाकिस्तानी जिहादी आतंकवादी समुद्र के रास्ते मुंबई पहुंचे और 166 से अधिक निर्दोष लोगों को मार डाला। इनमें से कुछ ताज होटल में और कुछ यहूदी सेंटर में आतंकियों के हमले में मारे गए।

भारतीय अमेरिकी तथा विभिन्न संगठन वॉशिंगटन स्थित पाकिस्तानी दूतावास के सामने मुंबई आतंकवादी हमले में देश (पाकिस्तान) की भूमिका पर विरोध जताते हुए एक रैली निकालेंगे। विरोध रैली के आयोजकों ने कहा कि मुंबई आतंकवादी हमले के दोषी पाकिस्तान में आजादी से घूम रहे हैं।

ब्रिटिश जेल में असांज की हो सकती है मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, स्वीडन, इटली, जर्मनी, श्रीलंका और पोलैंड के 60 से ज्यादा डॉक्टरों की एक समिति ने विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांज को अस्पताल में दाखिल करने की सिफारिश की है। इस समिति ने जेल में असांज के श्प्रत्यक्षदर्शियों के खौफनाक बयानोंश का हवाला दिया है। 60 से ज्यादा डॉक्टरों ने एक खुला पत्र लिखकर आशंका जाहिर की कि असांज का स्वास्थ्य इतना खराब है किबेहद कड़ी पहरेदारी वाली ब्रिटिश जेल में उनकी मौत भी हो सकती है। डॉक्टरों की यह चिट्ठी सोमवार को प्रकाशित हुई।

अमेरिका अब भी 48 साल के ऑस्ट्रेलियाई नागरिक असांज को ब्रिटेन से प्रत्यर्पित करने की फिराक में है। अमेरिका असांज पर जासूसी कानून के तहत कार्रवाई करना चाहता है जिसमें उन्हें अमेरिकी जेल में 175 वर्ष गुजारने तक की सजा मिल सकती है। डॉक्टरों ने ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल को लिखी चिट्ठी में असांज को दक्षिण पूर्व लंदन के बेलमार्श जेल से निकालकर अस्पताल में दाखिल करवाने की मांग की है।